श्री हनुमान चालीसा
दोहा

श्री गुरू चरन सरोज रज। निज मनु मुकुरू सुधार।।
बरनऊँ रघुवर बिमल जसू। जो दायक फल चार।।
बुद्धिहीन तनु जानिके। सुमिरों पवन-कुमार।।
बल बुद्धि विद्या देहु मोहिं। हरहु कलेश विकार।।

।।चौपाई।।

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर। जय कपीस तिहुँ लोक उजागर।।
रामदूत अतुलित बल धामा। अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा।।
महावीर बिक्रम बजरंगी। कुमति निवार सुमति के संगी।।
कंचन वरन विराज सुबेसा। कानन कुण्डल कुंचित केसा।।
हाथ बज्र अरू ध्वजा बिराजै। काँधे मूँज जनेऊ साजै।।
शंकर सुवन केसरी नन्दन। तेज प्रताप महा जग बन्दन।।
विद्यावान गुनी अति चातुर। राम काज करिबे को आतुर।।
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया। राम लखन सीता मन बसिया।।
सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा। विकट रूप धरि लंक जरावा।।
भीम रूप धरि असुर सँहारे। रामचन्द्र के काज सँवारे।।
लाय संजीवन लखन जियाये। श्रीरघुबीर हरषि उर लाये।।
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई। तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई।।
सहस बदन तुम्हरो जस गावैं। अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं।।
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा। नारद सारद सहित अहीसा।।
जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते। कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते।।
तुम उपकार सुग्रीवहि कीन्हा। राम मिलाय राजपद दीन्हा।।
तुम्हरो मन्त्र विभीषण माना। लंकेश्वर भये सब जग जाना।।
जुग सहस्त्र जोजन पर भानू। लील्यो ताहि मधुर फल जानू।।
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं। जलधि लांघि गए अचरज नाहीं।।

दुर्गम काज जगत के जेते। सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते।।
राम दुआरे तुम रखवारे। होत न आज्ञा बिनु पैसारे।।
सब सुख लहै तुम्हारी सरना। तुम रक्षक काहू को डरना।।
आपन तेज सम्हारो आपै। तीनों लोक हांक तें काँपे।।
भूत पिशाच निकट नहिं आवै। महावीर जब नाम सुनावै।।
नासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बीरा।।
संकट से हनुमान छुड़ावै। मन क्रम बचन ध्यान जो लावैं।।
सब पर राम तपस्वी राजा। तिन के काज सकल तुम साजा।।
और मनोरथ जो कोई लावै। सोई अमित जीवन फल पावै।।
चारों जुग परताप तुम्हारा। है परसिद्ध जगत उजियारा।।
साधु संत के तुम रखवारे। असुर निकंदन राम दुलारे।।
अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।
राम रसायन तुम्हरे पासा। सदा रहो रघुपति के दासा।।
तुम्हरे भजन राम को भावै। जनम जनम के दुख बिसरावै।।
अन्त काल रघुबर पुर जाई। जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई।।
और देवता चित्त न धरई। हनुमत सेइ सर्व सुख करई।।
संकट कटै मिटै सब पीरा। जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।।
जय जय जय हनुमान गोसाईं। कृपा करहु गुरुदेव की नाईं।।
जो सत बार पाठ कर कोई। छूटहि बँदि महासुख होई।।
जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा। होय सिद्धि साखी गौरीसा।।
तुलसी दास सदा हरि चेरा। कीजे नाथ हृदय मँह डेरा।।

।।दोहा।।

पवनतनय संकट हरन, मंगल मूरति रूप।
राम लखन सीता सहित, हृदय बसहु सुर भूप।
सियापति रामचन्द्र की जय पवन सुत हनुमान की जय

अनूक्रम

क्रम संख्या		पेज न.
1.	एलोवेरा 5000 वर्ष पुरानी रामबाण औषधि	4
2.	प्राकृतिक और औषधीय गुण	4
3.	उचित पाचन कार्य प्रणाली	5
4.	एलोवेरा : रोग मुक्त (इम्यून सिस्टम) कार्य प्रणालीं	6
5.	एलोवेरा कैसे काम करता है?	7
6.	स्वस्थ शरीर - सुख का आधार	8
7.	एन्टीबायोटिक प्रक्रिया	9
8.	कोशिकाओं का पुर्नजन्म	10
9.	पाचन क्रिया	10
10.	विषैले पदार्थ (Toxin) उत्सर्जित करना	10
11.	रक्त संचार क्रिया	11
12.	हृदय विकार	11
13.	जोड़ो का दर्द व घुटनों का दर्द	12
14.	मधुमेह	12
15.	मूत्र प्रणाली	12
16.	लीवन इन्फैक्शन	12
17.	प्रजनन प्रणाली	13
18.	कैंसर व एड्स	13
19.	त्वचा विकार	13
20.	बर्नस	14
21.	चर्म विज्ञान	14
22.	एलर्जी	14
23.	दर्द निवारक	14
24.	सूजन-एलर्जी प्रतिरोधी	14
25.	घाव निरोधी प्रक्रिया	14
26.	त्वचा सौन्दर्य में एलोवेरा का उपयोग	15
27.	बालों का झड़ना	15
28.	एलोवेरा किड्स (बच्चों के लिए)	15
29.	सौंदर्य प्रसाधन	18
30.	ऐलोवेरा संक्षिप्त में	19
31.	उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाएँ	20
32.	आँवला रस	21
33.	The Wonder Plant - Aloe Vera	23

एलोवेरा

5000 वर्ष पुरानी रामबाण औषधि

इस पौधे के बारे में

बनस्पतिशास्त्रीय नाम - धृतकुमारी क्वारकन्दल, कुमारी, ग्वारपाठा, चित्रकुमारी, कुमार पट्टु, संजीवन पौधा आदि।

एलोवेरा Onion Lily जाति और Asparagus जाति का अर्धउष्ण कटिबंधीय पौधा है। इसकी लगभग 300 उपजातियां है। जिनमें केवल 4 प्रजातियां ही औषधीय गुणों से परिपूर्ण होती हैं। इन सबमें भी सबसे प्रभावकारी बार्बाडेन्सीस मीलर (Barbadensis Miller) है। यह पौधा 3 से 5 साल में पूरा तैयार होता है।

अति प्राचीन काल में

इसका उल्लेख बाईबल (जॉन19:39 नम्बर 24:6) वेदों, रामायण, महाभारत में तथा मिश्र और चीन के प्राचीन इतिहास में भी मिलता है। मिश्र की महारानी किल्योपैट्रा (Cleopatra) इसे अपने सौन्दर्य प्रसाधन के रूप में इस्तेमाल करती थी। सिकन्दर महान ने तो सोकोत्र द्वीप को जीतने के लिए युद्ध तक किया क्योंकि इस द्वीप में एलोवेरा उगता था जो सिकन्दर की घायल सेना के इलाज में काम आता था।

Nicolemns coming by the night and bringing mixture myth and Aloe to embalm the body of Jesus. "Like Aloes Planted by the Lord" Numbers 24:6 Holy Bible

''आपने मुझसे पूछा कि वे कौन सी शक्तियां थीं, जिनके बल पर मैं अपने लम्बे-लम्बे उपवास कर सका। हाँ ईश्वर में मेरी दृढ़ आस्था, मेरी सरल सात्विक जीवन शैली और एलो ने मुझे ऐसा करने में सहायता दी जिसके लाभों के बारे में मुझे दक्षिण अफ्रीका में 19 वीं शताब्दी के अंत में पता चला''

महात्मा गांधी

(जिनके जीवन लेखक रामा रोलां के नाम उनके एक पत्र में)

प्राकृतिक और औषधीय गुण

एलोवेरा पौधे से निकाले गये 100% स्थिरीकृत (Stabilised) एलोवेरा जैल में 200 से अधिक औषधीय तत्व होते है, जिनमें 20 अनिवार्य खनीज, 8 अनिवार्य एमिनों एसिड (यह नाम इस

कारण हैं कि शरीर में स्वतः इसकी रचना नहीं होती) 11 से 14 सैकन्ड्री एमिनो एसिड और विटामिन (A_1, B_2, B_6, B_{12}, C and E) जो शरीर में स्वतः नहीं बनते। अधिकांशतः ये शरीर में जमा नहीं रह सकते, इस कारण जरूरी है कि ये पोषक तत्व शरीर को निरंतर मिलते रहें। एलेवेरा में सेपोनिन (Saponin) नामक तत्व होते हैं जो शरीर की अन्दरूनी सफाई और रोगाणु रहित रखने का गुण रखते हैं। इसी प्रकार गहराई तक पहुँचने का गुण रखने वाले Lignin और शरीर में उपचार वहन की क्षमता रखने वाले (Anthraquinone, Enzyme. Mono & Polysacharides तथा Mineral इत्यादि भी होते हैं। ऐलोवेरा संसार का सबसे बढ़िया एंटिबायोटिक, एंटीसेप्टिक और सबसे प्रभावकारी Intracellular व Anti-Oxidant है।

उचित पाचन कार्य प्रणाली

कुछ क्रांतिकारी सत्य समझने होंगे-

1. शोधकर्त्ताओं का अब ऐसा मानना है कि नब्बै फीसदी सभी बीमारियां पाचक क्षेत्र के बढ़ने, अनुचित पाचन और पुष्टिकारकों के संग्रह के कारण शुरू होती है। संक्षेप में समुचित पाचन, पुष्टिकारकों के शोषण और संग्रह बचाव के बेहतरीन अवसर प्रदान करता हैं।
2. प्रत्येक कोशिका, ऊतक, हड्डी, ग्रंथि और शारीरिक अंग को आहार और पोषक तत्वों के द्वारा समुचित पोषण की आवश्यकता होती है। पुष्टिकारकों के समुचित ग्रहण के अभाव में शरीर के सारे घटक समय से पहले खराब हो जाते हैं और संभावित रोगों की सूचना देते हैं।
3. बीमारियों और पाचन प्रक्रिया के बिगड़े क्रम को लाइलाज नहीं छोड़ना चाहिए। उचित पाचन पुष्टिकारकों का ग्रहण और आत्मसात पाचक प्रक्रिया या शरीर की किसी भी जगह की मौजूदा बीमारी को सुधारने के लिए आश्वस्त करता है।
4. बहुत से शोधकर्ताओं की यह आम राय है कि रोगों के विरूद्ध शरीर में नैसर्गिक सुरक्षा प्रणाली (इम्युन सिस्टम) काम करती है जो काफी हद तक पुष्टिकारकों के शोषण पर निर्भर करती है और इस प्रक्रिया को ईंधन देती है। आवश्यक पुष्टिकारकों के उचित ग्रहण के बिना प्रतिरक्षण तंत्र (इम्यून सिस्टम) संभावित बीमारियों को दूर करने या फिर असरदार तरीके से उनका मुकाबला करने में असमर्थ रहता है। यही कारण है कि

आवश्यक पुष्टिकारकों के अधिकांश शारीरिक भागो में पहुँचे बिना बीमारियों से लड़ने की क्षमता या फिर उनमें सुधार प्राय: असंभव हो जाता है। पोषक तत्व शरीर के बहुत अहम् तत्व हैं बाइटल हैं और शरीर को इस हालत में रहना चाहिये कि वह इन्हें ग्रहण कर सके।

5. 11 फीसदी सभी फार्मास्यूटिकल दवाइयाँ न तो घाव भरती हैं। न ही उपचार करती हैं। वे केवल फौरी तौर पर रोग के लक्षणों को छुपा देती है या फिर उन पर आवरण डाल देती है जिनके कारण रोग के कारक घटक अनछुए रह जाते है।

एलोवेरा : रोग प्रतिरक्षण (इम्यून सिस्टम) कार्य प्रणाली के संदर्भ में

इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरक्षण कार्य प्रणाली) को और भी प्रभावी बनाने के नतीजे पहुँच से एकदम दूर हो जाते है। यह शायद बहुत साफ तौर से इच्छित बदलाव होता है, जिसमें शरीर ताकतवर होकर न केवल संक्रमण से लड़ता है बल्कि संक्रमण को शरीर में पूर्ववत स्थान पर रखता भी है। इस दिशा में अब तक जो काम हुआ है उसमें भिन्न-भिन्न बैक्टीरियल और वायरल दोनों संक्रमण शामिल हैं। जीव चिकित्सा विज्ञान में इसी वास्तुस्थिति को स्पष्ट किया गया है।

इसका एक संतुलित चित्र उपस्थित करने के लिए यह कहा गया है कि सभी पौधौं के तत्व, रोगमुक्त कार्य प्रणाली (इम्यून सिस्टम) जानवरों और मनुष्यों में ज्यादा लाभकारी, प्रभावशाली और सहयोगी तरीके नहीं प्रदान करते। एलोवेरा जेल का विशेष महत्व यह है कि यह रोगमुक्त होने के लिए कुशल प्रभाव डालता है जो एकदम साफ-साफ तरीके से कार्य प्रणाली को लाभ पहुंचाता है।

आगे यह स्पष्ट और अच्छी तरह जान लिया गया है कि ट्यूमर के खिलाफ शरीर का संघेष भी इम्यून सिम्टम में औषधीय गुणयुक्त होता है जिसमें ट्यूमर सैल को समाप्त करने अथवा हटा देने की क्षमता होती है। इसका नतीजा यह है कि मनुष्य की शारीरिक और मानसिक शक्ति मुख्यरूप से इम्यून सिस्टम द्वारा ट्यूमर समाप्त करने का पक्का इरादा रखे। प्रयोगशालाओं में दिखे हुए स्पष्ट सबूतों के द्वारा यह पता चला कि एलोवेरा जैल ट्यूमर के विकास को मंद करने या रोक देने में समर्थ है, यहाँ तक कि उन्हें बैठा भी देता है। एलोवेरा जैल विशेष रूप से जलन एवं दर्द नाशक गुणों से युक्त जाना जाता है जिसमें इम्यून सिस्टम को संतुलित करने की ताकत होती है।

रोग प्रतिरक्षण कार्य के लिए आँत की वायु विकार प्रणाली एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। वहाँ इम्यून ऊतकों का एकाग्रीकरण संम्पूर्ण आँत में गाढ़े द्रव के रूप में उपस्थित रहता है। छोटी आँत में एक विशेष क्षेत्र होता है जिसे पेयर-पैचेज कहते है। लेकिन अपेन्डिक्स के साथ बढ़ी आंत में भी गाढ़े द्रव तंतुओं का एक विशिष्ट क्षेत्र होता है। प्रर्यायी और पूरक औषधि-बेत्ताओं के अनुसार एलोवेरा का उपयोग आँत की निरोगता और उसकी समुचित कार्यप्रणाली के लिए महत्वपूर्ण रूचि पैदा करता हैं। पर्यायी औषधि वेत्ताओं का मनोरंजक विश्लेषण इस बात का अच्छा सबूत है और उनके मरीजों का भी ऐसा सुझाव है कि ऐसी दशा में एलोवेरा बहुत लाभकारी है विशेष रूप से कोलाईटिस, अल्सरेटिव कोलाइटिस कोलोन की पोलीपोसिस, डाइवरटिकुलाइसिस, इरेटेबल बाउल सिन्ड्रोम जिसमें सूजन या जलन का रास्ता बदलने या फिर अखरनेवाली थकान पैदा करने वाली अनेकों प्रकार की आंत की बीमारियां जैसे क्रानिक फटीग सिन्ड्रोम और क्रोहन रोग शामिल हैं।

अंततः हम अनेक प्रकार के रोग या व्यवधान की चर्चा करें तो अब तक पता चले या विश्वास किए गए इम्यून सिस्टम में बड़े पैमाने पर जो प्रभावी है उनमें से सर्वाधिक महत्पूर्ण है एलर्जी। इसके सम्मुख अंतिम बात जो इम्यून सिस्टम में दिखाई देती है व इस प्रकार के हालात पैदा करना जिसमें उत्तेजना और परेशानी दिखाई पड़े। अति उत्तेजक हालात इम्यून सिस्टम के अंतर्गत आहार या पर्यावरणीय आहार का अनावश्यक और अनुत्पादक तरीका अपनाते हैं।

जो भी हो, एलर्जी को ऐसे देखा जा सकता है जो इम्यून सिस्टम को अनुचित मार्ग प्रदान करता है। एलोवेरा जैल रोग प्रतिरक्षण कार्य प्रणाली को वापस सही मार्ग पर सही अवस्था में लाता है। एलर्जी जनित दुख दर्द को कम करता है। एक बार पुनः पर्यायी औषधिवेत्ताओं के मनोरंजक व्याख्यान और उनके मरीजो के सुझाव के अनुसार यह पता चलता है, कि यह औषधि इस दशा के लिए सर्वथा लाभकारी है।

एलोवेरा कैसे काम करता है?

एलोवेरा मुख्यतः दो क्षेत्रों में प्रभाव दिखाता है यानि रोग प्रतिरक्षण कार्य प्रणाली (Immune System) और ऐपिथिलेल टिस्यूस (Epithelial Tissues)। एलोवेरा भरपूर पौष्टिक सम्मिश्रण की तरह काम करता है, जो अलग-अलग तत्वों के लेने से कहीं अधिक लाभकारी होता है। इसका कारण यह है कि ये सम्मिश्रण एक प्रकार से सामूहिक रूप से काम करते हैं, जिससे एक दूसरे के गुण में वृद्धि होती है, जिसे सिनर्जाइज्म (Synergism)

कहते हैं। इसमें एडेप्टोंजेनिक (Adaptogenic) गुण होते हैं इसका अर्थ यह है कि हर व्यक्ति इसमें से वह तत्व ले लेता है जो उसके लिए जरूरी है। अतः हर व्यक्ति पर इसका लाभ अलग-अलग होता है।

एलोवेरा में क्योकि ऐसे विशेष गुण हैं जो शरीर के कोमल तत्वों को हानि नहीं पहुँचने देते और यदि होता भी है तो उसकी भरपाई करने में मदद करता है। कुछ तो दूषित तत्व हमारा शरीर खारिज करता है और कुछ बाहरी प्रदूषण से पैदा होते हैं। एलोवेरा इस तरह के तत्वों को नष्ट करता हैं जिन दूषित तत्त्वों से बुढ़ापा जल्दी आता है और ये बीमारियों को भी जन्म देते है। एलोवेरा हमारे शरीर की सभी छोटी बड़ी नस नाड़ियों की सफाई करता है और कोशिकाओं में नवीन शक्ति और स्फूर्ति पैदा करता है क्योंकि कोशिकाएं ही जीवन की सूक्ष्म इकाई है। इसे यों भी कहा जा सकता है।

Detoxification=Elimination+Regeneration+Assimiliation

स्वस्थ शरीर - सुख का आधार

क्या आप जानते हैं?

Aloe Vera का इतिहास पाँच हजार साल पुराना है। इसके विषय में सभी धर्मग्रन्थों में सम्मान पूर्वक विवरण मिलता है। पुराने समय से हमारे पूर्वज व बुजुर्ग इसे औषधि के रूप में प्रयोग करते आ रहे हैं। Aloe Vera की 300 प्रजातियां पाई जाती है। 285 प्रजातियों में 0% से 15% औषधीय गुण (Medicine Properties) होते हैं जबकि 11 प्रजातियां किसी काम में नहीं आती है और 4 प्रजातियों में 90% से 100% औषधीय गुण (Medicine Properties) हैं। इनमें से एक प्रजाति जिसका नाम बार्बेडेन्सिस मिलर (Barbadensis Miller) है।

क्या आप जानते है कि आज ज्यादातर बिमारीयों का कारण हमारी आंतो का साफ न होना है। Aloe Vera हमारी इन आंतों में जमे हुए मल को साफ करके इनको शक्ति देता है। हमारा शरीर छोटे-छोटे Cell से बना हुआ है। छोटे-छोटे Cell मिलकर Tissue बनते है। Tissue से Organ और Organ से System और System से मिलकर Human Body बनती है। Body का सबसे छोटा हिस्सा Cell है। Aloe Vera Gel इन छोटे छोटे हिस्सों को Active करता है। और शरीर के इन छोटे-छोटे हिस्सों में जमा Toxin को सफलता पूर्वक बाहर निकालता है। फलस्वरूप हमें कई प्रकार की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। हम अपने शरीर को साफ रखने के लिए रोज नहाते है। जिससे हमारे शरीर के ऊपर की गन्दगी

साफ हो जाती है। क्या आपने कभी सोचा है कि हम बाहर से रोज नहाते है पर हमें कभी अंदरूनी सफाई भी करनी चाहिए, यदि हाँ तो हमारे पास अंदरूनी सफाई के लिए Aloe Vera Gel है। यह हमारे शरीर की अंदरूनी सफाई करता है और हमारी आंतें धीरे-धीरे साफ होने लगती है। जिससे हमारे शरीर को आराम मिलने लगता है। एक नई शक्ति का संचार होता है।

Aloe Vera Gel का नियमित प्रयोग इन रोगों में गुणकारी है, जैसे- Arthritis, Muscular Problem, Diabetes, Liver, Skin, High Blood Pressure, Gastric, Asthma, Cancer, Ulcer Colitis (Stomach & Colon) Digestive Problem, Constipation, Menstrual Problem, Migrane, Piles, Heart, Kidney, Ladies Problem, Uterus, Cervical, Sexual Disorder etc.)

Aloe Vera is a Natural Pain Killer और Aloe Vera Gel में 200 प्रकार के Nutrition Compound (Vitamin or Enzyme) मिलते है जो हमारे शरीर के लिए लाभदायक है। हमें अपने शरीर की जरूरत के लिए 21 Amino Acid चाहिए जिसमें से 18 Amino Acid हमें Aloe Vera Gel में ही मिल जाते हैं।

Aloe Vera Gel के नियमित प्रयोग से हम अपने शरीर को ज्यादा स्वस्थ व फुर्तिला बना सकते है। हर उम्र के लोग इसका प्रयोग कर सकते है। यह हमारे शरीर में जाने के बाद शरीर का जो भी System खराब है, वहाँ जाकर कार्य करने लगता है। कई लोग इसे अमृत व संजीवनी बूटी भी कहते है। 100% शुद्ध होने के कारण इसका कोई Side Effect नहीं है। Aloe Vera Gel के 90 दिन के नियमित प्रयोग से आपके जीवन में एक नई उमंग आ जाएगी।

बीश्योर-एलोवेरा जैल

सदियों से एलोवेरा का पौधा मनुष्य के स्वास्थ्य, सौन्दर्य, औषधीय एवं त्वचा की देखभाल के गुणों के कारण विख्यात रहा है।

बीश्योर एलोवेरा जैल में निम्न प्रमूख गुण है

1. एन्टीबायोटिक प्रक्रिया :

(अ) एन्टीमाइक्रोबिल प्रक्रिया : यह अनेकों बैक्टिरिया जैसे सालमोनेला और स्टेफाईलोकाकस जो कि मवाद बनाते हैं, को नष्ट करता है। यह ई. कोलाई, स्ट्रेप्टापेकाकस फेइकेलिस, केनडिडा अल्तीकन्स नामक इन्फेकशन पैदा करने

वाले बैक्टीरिया के विरूद्ध कारगर काम करता है। यह एक अतिउत्तम बैक्टिरिया नाशक है। प्रभावित अंगों में सीधे लगाने से लाभ होता है।

(ब) एन्टीवायरल प्रक्रिया : हाल ही में शोध किया उत्पाद एसीमानन जो एलोवेरा में मौजूद रहता है का अध्ययन प्रतिरोधी प्रणाली के प्रति इसकी क्षमता के बाबत किया जा रहा है। यह एवीमानन टी लिम्फोसाइट कोशिकाओं की वृद्धि में सहायक पाया गया है। जो प्राकृतिक प्रतिरोध बढ़ाती है।

(स) एन्टीफंगल प्रक्रिया (गतिविधि): प्रभावित अंगो पर सीधे लगाने से इन्फेक्शन कम करता है।

2. कोशिकाओं का पुनर्जन्मः इसमें मौजूद हारमोन पुरानी मृत कोशिकाओं को हटाकर उनके स्थान पर नवनिर्मित कोशिकाओं को स्थापित करता है। कैल्शियम आंतरिक ओर बाहरी साम्य स्थापित करती है।

3. शक्तिवर्धक : इसके निमित उपयोग से मेटाबालिक प्रक्रिया को बल मिलता है। फलस्वरूप शक्ति उत्पन्न होती है, जो शरीर के लिए आवश्यक होती है। इसमें विटामिन 'सी' की उपस्थिति, ब्लड सर्कुलेशन एवं कार्डियों वेस्कुलर प्रणाली का बेहतर संचालन करती है। इसमें मौजूद विटामिन सी अनेक बिमारीयों की रोकथाम करता है।

4. पाचन क्रिया : एलोवेरा में मौदूद सेपोनिन आहार नालिका की आंतरिक सफाई करता है, गंदगी की सफाई करके। जिससे उसमें खनिज कार्बोहाइड्रेट व विटामिन्स को सोखने की क्षमता वढ़ती है। एलोइन की उपस्थिति पेट व आंत की सफाई कर मल को तरल करती है। 17 तहर की अमीनो एसिड्स विभिन्न बिमारियों से रक्षा करके भूख बढ़ाती है। पेट में संचित अधिक हाईड्रोलिक अम्ल और पेपसिन एन्जाइम को यह प्रभावरहित करता है। यह प्रमुखतः गैसिट्राइटिस, गॅस्ट्रिक, अल्सर कोलाइटिस, इरिटेबल बाऊल सिन्ड्रोम, डायवर्टिकुकसस आदि को दूर करता है।

5. डिटोक्सिफिकेशन (विषरहित) : पोटेशियम की उपस्थिति लिवर और किडनी को गतिशील करती है, इसमें मौजूद यूरीक एसिड कोशिकाओं से विषाक्त पदार्थ हटाते है।

6. विषैले पदार्थ (Toxin) उत्सर्जित करनाः हमारे शरीर में अनेकानेक कारणों से विषैले पदार्थो का संचय होता रहता है। जैसे कि वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, धुम्रपान, सब्जियों में, खेती में दवाईयों के इस्तेमाल से, कुछ औषधीयों के सेवन से, अति वसायुक्त भोजन

खाने से, जीवन से जुड़े मानसिक तनाव से इन सबसे हमें नुकसान पहुँचता है। धृतकुमारी में अवशिष्ठ **(Saponins)** से यह कार्य किया जाता है। इस प्रकार विषैले पदार्थ बाहर जाने के कारण अन्नाश के विटामिन्स तथा उन्य पोषक द्रव्य खून में अधिक मात्रा में शोषित किये जाते है जिससे रक्त शुद्ध होता है।

7. रक्त संचार क्रिया (Circulatory System): धृतकुमारी के सेवन से खून में सफेद तथा लाल पेशियाँ और प्लेटलेट्स की मात्रा बढ़ जाती है। मस्तिष्क का अमोनिया वायु नष्ट करके ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है रक्त धमनियाँ प्रसारित होने की वजह से रक्त संचालन अच्छी तरह से हो जाता है। उच्च रक्त दाब मर्यादा में रखा जाता है। विटामिन 'ए' के कारण रक्त धमनियाँ मजबूत हो जाती है। शरीर में नयी पेशियों के निर्मित होने से रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही जीर्ण पेशियों को उत्तेजना मिलती है।

8. हृदय विकार : भारतीय इंसान संसार में कहीं भी हो, उसे हृदय विकार होने की संभावना अन्य देशीय व्यक्ति से 5 से 7 गुणा अधिक होती है। हाल ही में किये गयें सर्वे के अनुसार वर्ष 2010 तक दुनिया के कुल हृदय विकार के मरीजों की संख्या में भारतीयों का अनुपात 60% तक हो सकता है। ऐसी पार्श्वभूमि पर हमें अपने हृदय विकारो की ओर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। हृदय विकारो में धृतकुमारी विविध प्रकार से उपयुक्त होती है खून से ट्रायग्लिसेराईड्स तथा बुरे कॉलेस्ट्रॉल (LDL) की मात्रा कम करके अच्छे कालेस्ट्रॉल (HDL) की मात्रा इससे बढ़ाई जाती है इसलिए क्रोमियम धातु का भी उपयोग होता है। विटामिन 'ए' 'बी' और 'ई' अच्छे एण्टी ऑक्सीडेंट होने के कारण हृदय का संरक्षण होता है। धृतकुमारी में होने वाले कैल्शियम आयसोसायट्रेट (Calciumisocitrate) के कारण हृदय की गति मंद होती है। (Chronotropic effect) इसी वजह से हृदय का पोषक कंपन (Electrical Impulses) कम होता है। अतः हृदय की कार्यशक्ति बढ़ती है, हृदय संपदन की शक्ति बढ़ती है (Inotropic effect) इन सभी कारणो से हृदय से शुद्ध रक्त शरीर में तेजी से घूमता है। कैल्शियम, मैग्नीशियम तथा पौटेशियम इन सभी धातुओं के कारण हृदय में स्नायू बलवान होते है। धृतकुमारी में Methionine Serine, theronine तथा Molybdenum अमिनो एसिड्स है। इसलिए गुणकारी है। अमिनों ऐसिड्स की वजह से शरीर में से धातु मिश्रित विषद्रव्य बाहर फैंक दिये जाते है। कार्बोहाइड्रेट तथा चर्बी का सुयोग्य पाचन हो जाता है तथा यकृत और रक्तवाहिनियों में चर्बी का संचय टल जाता है।

9. जोड़ो का दर्द व घुटनों का दर्द (Arthritis) धृतकुमारी एक वेदना शामक होने की वजह से घुटने की सूजन कम होकर दर्द भी कम हो जाता है। धृत कुमारी के Phenylalanine, Borone, Proline, Cystine, Valine जैसे घटक द्रव्यों के कारण यह कार्य हो जाता है। कुछ थैरेपिस्ट एलोवेरा जैल या लेप से दर्द वाली जगह पर हल्की मालिश की सलाह भी देते है।

10. मधुमेह (Diabetes): अग्नाश्य (Pancreas) में इन्सुलिन की मात्रा कम होने की वजह से तथा उसकी गुणवत्ता कम होने की वजह से अन्नंश के शक्कर की पृथ्थकरण नहीं हो पाती है। परिणामः खून में तथा मुत्र में शक्कर की मात्रा बढ़ जाती है धृतकुमारी अग्नाश्य के कार्य में मददगार है। इसकी मदद से अग्नाश्य में इन्सुलिन का निर्माण नियंत्रित रहने की वजह से मधुमेह मरीजों के लिए एलोवेरा एक वरदान सिद्ध हुआ है। धृत कुमारी में जो क्रोनियम धातु होता है उसकी मदद से यह कार्य किया जाता है। धृत कुमार के नित्य सेवन से मधुमेह पर नियंत्रण किया जा सकता है। इसकी वजह से यकृत (Liver) या गुर्दे (Kidney) को किसी भी प्रकार से नुकसान नहीं होता है। मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति के घाव जल्दी ठीक होने के लिए तथा वेदना शमन के लिए धृतकुमारी का उपयोग बहुत अच्छा होता है।

11. मूत्र प्रणाली (Urinary System): धृतकुमारी पेशियो में होने वाले अतिरिक्त पानी को बाहर निकालती है। पेशाब की मात्रा कम होना, पेशाब में कुछ बाधा होना आदि विकारों में तथा पथरी (Kidney Stone) अथवा (Dialysis) पर होने वाले व्यक्तियों के लिए धृतकुमारी अत्यंत गुणकारी है। जिन रोगियों के गुर्दे (Kidney) भी निष्क्रय हो गये हों उनके लिए भी यह आश्चर्यजनक रूप से गुणकारी है।

12. लीवर इंफेक्शनः स्टेब्लाइज्ड (स्थिर) एलोवेरा जैल पीने पर यह एक उपचार एजेंट का काम करता है जो लीवर इंफेक्शन दूर रखने में सहायक होता है। यह यकृत की कार्यप्रणाली में सुधार करता है और बहुत ज्यादा मात्रा में शराब पेट के भीतर जाने की दशा में बहुत अच्छे विषनाशक का काम करता है। लीवर की सूजन की रोकथाम के लिए भी डॉक्टर इसके उपयोग की सलाह देते है।

13. पेट और आंत : एलोवेरा का पल्प पेट के अल्सर की रोकथाम करता है और पाचन क्रिया आसान करते हुए अंतड़ियों की गमनागमन शक्ति को सुविधा प्रदान करता है।

14. प्रजनन प्रणाली (Reproductive System) धृतकुमारी को स्त्रियों की सहेली कहा जाता है। महिलाओं के विविध रोगों पर धृतकुमारी जैसी अच्छी प्राकृतिक औषधि नहीं। इसके कारण स्त्रियों के गर्भाशय के स्नायू अंकूचित होते है। रजः निर्मित होती है। गर्भाशय के रोगों के लिए यह उपयुक्त औषधि है। पुरूषों के शुक्र धातु के दोष भी दूर होते है।

15. कैंसर व एड्सः इन रोगों पर धृतकुमारी चार प्रकार से उपयुक्त सिद्ध होती है। मरीजों को पोषक तत्व अधिक मात्रा में उपलब्ध होने के कारण ताकत बढ़ती है और रोग प्रतिकारक शक्ति भी बढ़ती है। इन मरीजों को दिए जाने वाली तीव्र औषधीयों के कारण उनके शरीर में विषैले द्रव्य संचित होते रहते है। इन विषैले द्रव्यों को धृत कुमारी की मदद से बाहर निकाला जा सकता है। शरीर में निरंतर कार्यरत पृथःकरण (Oxidation) की 'ए' और 'इ' विटामिन पृथःकरण (Oxidation) रोकने वाली शक्तिशाली एन्टीऑक्सीडेंट है। इस प्रकार धृतकुमारी सेवन से कैंसर होने का मूलभूत कारण नष्ट हो जाता है। स्त्रियों के वक्ष्स्थल के कैंसर का ऑपरेशन होने के बाद ऑपरेशन के स्थान पर धृतकुमारी जैली लगाने के बाद वहाँ कैंसर की पेशियों की वृद्धि रूक जाती है, ऐसा निरीक्षण किया जाता है। धृतकुमारी के अंतर्भूत (Lectine, Arinine, Germanium, Beta Carotene) इन द्रव्यो के कारण यह संभव हो जाता है।

16. Radio therapy और Chemotherapy: Radio Therapy और Chemotherapy हमारे शरीर के स्वस्थ Cells को नष्ट करती है। (विशेष रूप से Immune System Cell को) एलोवेरा के सेवन से इस दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है क्योंकि यह हमारे Immune System को सुदृढ़ करता है।

17. त्वचा विकारः धृतकुमारी की अणुरचना अत्यंत लघु होती है। अतः उसी का लेप त्वचा को दिया जाये तो वह सहजता से सातवें स्तर पर पहुँच जाता है। इसी कारण यह एक उत्तम वाहक है। साथ ही धृतकुमारी जन्तुनाशक तथा वेदना शामक भी होती है। धृतकुमारी के कारण त्वचा मुलायम तथा सतेज होती है। मृत पेशियों को इससे नष्ट किया जा सकता है। धृतकुमारी की वजह से घाव अन्य औषधि की तुलना में 60-70 प्रतिशत जल्दी भर जाते है। पेट में होने वाले अल्सर जो एक प्रकार का घाव ही होता है। धृतकुमारी द्वारा शरीर में नयी पेशियों के निर्मित होने की वजह से इसके इलाज का कार्य सुलभ तथा तेजी से होता है। छोटी आंतड़ियों में संचित विषैले द्रव्य तथा अशुद्ध

खून सभी त्वचा विकारों का मूल होता है। धृत कुमारी शरीर से सभी विशैले पदार्थ बाहर फैक देती है। और खून का शुद्धि करण किया जाता है। अतः धृतकुमारी के इस कार्य की मदद से सोराइसिस जैसे सभी प्रकार के त्वचा रोग पूर्णतः ठीक हो जाते है। (धृतकुमारी में अंतर्भूत Glycine, Threonini Beta Carotene) आदि घटकों के कारण यह कार्य हो जाता है।

18. बर्नसः जलनेवाली जगह पर एलोवेरा के संभव उपचार ने सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक परिणाम दिखाए है। वास्तव मे एलो की खूबी यह है कि यह क्षतिग्रस्त ऊतकों को नया जीवन देने में सहायक होता है।

19. चर्म विज्ञान : एलोवेरा का चर्म विज्ञान विशेषज्ञों द्वारा व्यापक उपयोग किया जाता है। सेबोरिया, हपीस रेटस्पॉट, सोरायसिस, इक्जीमा माइकोसिस और फीवर बिल्स्टर के इलाज में यह बहुत असरदार और स्थापित औषधि है।

20. एलर्जी : यह सिद्ध हो चुका है कि एलोवेरा आदमी और जानवर दोनों में एलर्जी और कीटाणुओं के कारण उत्पन्न हुई खुजली दूर करने में या फिर घाव भरने में बहुत कारगर है।

21. दर्द निवारकः इसमें अंगों के भीतरी भागो में गहराई तक पैठने की क्षमता के गुण के कारण यह आंतरिक भागों में तेजी से असर करके दर्द का निवारण करता है।

22. सूजन-एलर्जी प्रतिरोधीः यह स्टीरोयड और कार्टिसोन की भांति कारगर है। बगैर कोई साईड इफैक्ट के। इसके लिए इस जैल में मौजूद अनेकों कम्पाउण्ड जिम्मेदार है। जिनमें सबसे महत्वपूर्ण है- ग्लाइकोप्रोटीन जो कि ब्रडीकाइनिन को तोड़कर दर्द और सूजन कम करता है। इसमें मौजूद विभिन्न एन्थ्रेक्विनोन और साल्ट सिलिकेट भी दर्द ओर सूजन कम करते है। इसी कारण इसका उपयोग बूसाईटिस, आर्थराईटिस, ब्रोकाइटिस, साइनुसाइटिस यहां तक कि कीड़ों के काटने से उत्पन्न दोषों के निदान के लिए किया जाता है।

23. घाव निरोधी प्रक्रियाः इसमें अति उच्च स्तर में कैल्शियम, पोटेशियम और जिंक के अलावा विटामिन 'सी' और 'ई' पाये जाते हैं। ये पदार्थ तन्तुओं का एक जाल बनाते हैं जो लाल रक्त कणिकाओं को रोके रखता है ओर घाव भरने की प्रक्रिया में तेजी लाता है। स्नायुतंत्र की कार्यतिधि में कैल्शियम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह समस्त घाव पूरक क्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है।

24. केरोटोलिक प्रक्रिया : यह प्रक्रिया क्षतिग्रस्त त्वचा की कोशिकाओं को हटाकर उनके स्थान पर नई त्वचा कोशिकाओं को प्रतिस्थापित करने की अवस्था है। यह रक्त नलिकाओं में निर्बाध रक्त प्रवाह संचालित कर खून के थक्के भी हटाती है।

25. त्वचा सौन्दर्य में एलोवेरा का उपयोग: यह विभिन्न माइस्चराइजर क्रीम, शैम्पू, क्लीनिंग लिक्विड विभिन्न रक्षक लोशन्स में प्रमुखता से उपयोग में लाया जाता है। इसमें लिग्निन (सेलुलोज) और पॉलिसेक्राइडस (कार्बोहाइड्रेट) की उपस्थिति त्वचा में गहराई तक प्रविष्ठ करके बैकटिरिया और तैलिय डिपाजिट हटाते हैं जो कि त्वचा छिद्रो को खोलता है। नई कोशिकाओं का निमार्ण करते हैं व मृत कोशिकाओं का हटाते है।

26. बालों का झड़ना: बाल झड़ने का मुख्य कारण भी छोटी आंतड़ियों में संचित विषैले घटक हैं। इन सभी घटकों को बाहर फैंक देने से बालो का झड़ना बंद हो जाता है। धृतकुमारी जैल से सर को रोज हल्का सा मसाज करने से वहाँ नयी पेशियों का निर्माण जल्दी हो जाता है और उसी से बालों की लम्बाई बढ़ने में मदद होती है, डैण्ड्रूफ निकल जाता है और बालों की रूक्षता नष्ट होने के साथ बाल सतेज होते है।

एलोवेरा किड्स (बच्चों के लिए):

हाँ 12 महीने के ऊपर के बच्चे भी एलोवेरा का सेवन कर सकते है। यह भीतर व बाहर से प्राकृतिक रूप से उपचार करता है।

1. इसके नियमित उपयोग से मेटाबॉलिक प्रक्रिया को बल मिलता है। फलस्वरूप बच्चों को पोषक तत्व अधिक मात्रा में उपलब्ध होने के कारण ताकत बढ़ती है। और रोग प्रतिकारक शक्ति भी बढ़ती है।
2. इसके सेवन से रक्त शुद्धि होती है। विपन पाचन (जठराग्नि) ठीक होती है, यकृत (लीवर) उत्तेजित होता है, पाचन सुधर जाता है।
3. एलोवेरा सल्फर युक्त औषधि है जिसमें शीघ्र वेदना शमन की क्षमता होती है और घाव जल्दी भर जाते है।
4. एलोवेरा डायपर (Diaper) से होने वाले विकार (rash) भी दूर करता है।
5. एलोवेरा के सेवन से बच्चों में तन्दरूस्ती तथा स्फूर्ति का समावेश होता है। त्वचा मुलायम तथा तेजस्वी बन जाती है। शरीर में कफ तथा पित्त दोष का नाश होता है।

बिस्तर में मुत्र की शिकायत कम होती है। रात को नींद अच्छी आती है। खाना खाने के पूर्व इसका सेवन करने से पाचन प्रक्रिया ठीक होती है।

बच्चों में प्रोटीन युक्त पौष्टिक भोजन के साथ एलोवेरा की आदत डालें और स्वयं इसके अच्छे फायदे पर गौर करें।

संरचना: अमीनों एसिड्स, एन्थ्रोक्विनानस, एनजाइमस, हारमोन्स, लिग्निन, मिनरल्स, सेल्सिलिक ऐसिड, सेपोनिनस, शकर एवं विामिन्स।

पैकिंग: 1 लीटर, 500 मि. लि. व 125 मि. लि.

निर्देश : 30 मि. लि. (खाली पेट) सुबह इतनी ही मात्रा रात में सोने से पूर्व। धीरे-धीरे 30 मि. लि. से प्रारम्भ करके 50-60 मि.लि. तक मात्रा बढ़ाये। पूर्ण लाभ होने पर धीरे-धीरे मात्रा कम करते हुए अन्त में उपयोग रोक दें।

सावधानी: दस्त लगने, स्त्रियों के महावारी दिनों में तथा गर्भ धारण के दिनों में एलोवेरा का उपयोंग न करें।

विशेष निर्देश :

(क) धृतकुमारी जैल का कैन खोलने के बाद उसे फ्रिज में रखें।

(ख) कैन फ्रिज से निकालने के बाद उसे हिलाईए।

(ग) जैल के सेवन से एक घंटे पहले व बाद कुछ भी खाना व पीना नहीं चाहिए।

(घ) एलोवेरा का जार खोलने के बाद 35 से 40 दिन के अन्दर उपयोग कर लेना चाहिए।

मुख्य बिन्दु:

- 100 प्रतिशत प्राकृतिक रूप से स्थिरीकृत है।
- यह भीतर व बाहर से प्राकृतिक रूप से उपचार करता है।
- प्राकृतिक और सूजन प्रतिरोधी।
- विशेषकर, पेट की गड़बड़ी, डायबिटीज, गठिया रोग, इन्टेस्टिनल बाऊल सिंड्रोम, मोकाइटस, क्रोहन, चर्म रोग के उपचार में अति लाभप्रद है।

- उत्तम विषनाशक, स्वस्थ कोशिकाओं का निर्माण कर प्रतिरोधी प्रणाली मजबूत करने में अति उपयोगी है।
- प्राकृतिक पोषक पेय।

बिश्योर एलोवेरा तीन प्रकार के **flavours** में उपलब्ध है

1. पाइनेप्पल
2. स्ट्राबरी
3. प्लेन - (शुगर फ्री) मधुमेह से पीड़ित व्यक्तियों के लिए
4. ऐलोवेरा पल्प युक्त
5. ऐलोवेरा पल्प युक्त सभी Flavours में

बिश्योर के अन्य उत्पाद

1. एलोवेरा (100 प्रतिशत) के सोन्दर्य प्रसाधन
2. आँवला जूस (पचं तुलसी एवं छोटी इलाइची के औषधीय गुणो से भरपूर)
3. नोनी (Noni) जूस - रखे तन्दरूस्त ।
4. "YOGWALK" योगवाक-सिर्फ 15 मिनट का घर पर व्यायाम, दे बिमारियों से निदान।
5. Blood Sugar Monitoring Kit (Glucometer) खुन में शक्कर की मात्रा जाचने की मशीन - स्वंय घर पर ही।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

Besure, Inc.
(ISO 9001-2000 CERTIFIED)
B-257, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110 020
Tel. : +91-11-41407300, Mob.: 09810963500 Fax : +91-11-41406890
e-mail : officebesure@gmail.com
Visit us : http://www.aloeveraindia.com • www. besureinc.com

सौंदर्य प्रसाधन

एलोवेरा त्वचा की अन्तिम परत पर शीघ्र पहुँच जाता है क्योंकि इसमें 96% जल होता है। यह क्षतिग्रस्त त्वचा की कोशिकाओं को हटाकर उसके स्थान पर नई त्वचा कोशिकाओं को प्रतिस्थापित कर देता हैं।

1. स्किन क्रीम : त्वचा में आसानी से जाये, एक नहीं कई काम आए पराबैंगनी किरणों व रासायनिक जलन से ठंडक पहुँचाती है। सूरज की किरणों से बचाती है, जलन में आराम देती है ओर त्वचा की कइ बीमारियों को ठीक करती है जैसे एक्जिमा, सोराइसिस, कटना, जलना, दाग धब्बे, सूरज की किरणों से एलर्जी और अन्य कई तकलीफें।
2. पिम्पल्स क्रीम : त्वचा में भीतर तक जाती है, कील मुँहासो को नरमी से ठीक करती है और वह भी बिना कोई दाग छोड़े। यह हर किस्म की त्वचा के लिए उपर्युक्त है।
3. हेयर जैल : आपके बालों के क्यूटिकल्स को नरम-मुलायम बनाती है, आपके रूखे, उल्झे और खुरदरे बालों को बनाए नरम रेशमी। जड़ों में इसकी नियमित मालिश से बाल बनते है मजबूत, नतीजा न बालों का गिरना और न रूसी की परेशानी।
4. फेयरनेस क्रीम : त्वचा को बनाए चमकदार और आपको रखे तरो ताजा। इस क्रीम से आपकी त्वचा साफ होती है, चिकनी ओर मुलायम बनती है, न झुर्रियों का डर और न ही बूढ़े लगने का खतरा। आप लगें हमेशा जवान। यह आपके चेहरे पर आने वाली झुर्रियों, रेखाओं, दाग और खाँचों को बनने से रोकती है और आप रहते हैं जवां-जवां।
5. बॉडी लोशन : क्रीम युक्त चिकना बॉडी लोशन, विटामिन ई से भरपूर त्वचा की नमी बनाए रखे और उसमें डाले नई जान। यह बेजान कोशिकाओं की मरम्मत करता है, जिससे आपकी त्वचा की बनावट सुधरती है और आपको मिलती है चमकदार त्वचा। यह हर किस्म की त्वचा पर कारगर है।
6. बॉडी वॉश : कुमारिका (Aloe) के क्लिंजर त्वचा को चिकना बनाता है, नमी बनाए रखता है और उसे पोषण देता है। यह नुकसान देह पराबैंगनी किरणों व अन्य संक्रमणों से त्वचा को बचाता है।
7. शैम्पू : यह प्रमाणिक रूप से रूसी मिटाता है, बालों का गिरना रोकता है और जड़ों को मजबूत बनाता है। इसका सही-सही पी एच बैलेंस नरमी से बालों को साफ करता है, जिससे आपके बाल मुलायम और चमकदार बनते है। यह रसायन रहित है ओर हर किस्म के बालों के लिए उर्पयुक्त है।
8. ग्लिसरीन : कुमारिका के साथ ग्लिसरीन आपकी त्वचा को चिकना बनाता है क्योंकि दोनों का चमत्कारी असर त्वचा की बाह्य कोशिकाओं पर पड़ता है ओर वे अलग नहीं हो जाती है। ग्लिसरीन से त्वचा की कुदरती चमक और जवानी निखरती है, त्वचा बनती है मुलायम, चिकनी, नरम और चमकदार।
9. बॉडी मसाज : जोजोबा ऑयल युक्त बॉडी मसाज क्रीम रक्तसंचरण को सुधारती है, मांसपेशियों को आराम देती है, त्वचा निखारती है ओर शरीर में उर्जा लाती है।
10. अर्थराइटिस क्रीम : आसानी से त्वचा में प्रवेश करती है, जोड़ो व मांसपेशियों के दर्द और सूजन को कम करती है। आराम पहुँचाती है।

कुमारिका (Aloe vera) कैप्सूल

एक कैप्सूल कुमारिका जूस/जेल की एक खुराक यानी 30 मिली. के बराबर है। इससे भी वैसा ही फायदा पहुँचता है, जैसा कुमारिका जेल / जूस के पीने से मिलता है।

एलोवरा-संक्षिप्त में

धृतकुमारी या ग्वारपाठा एक आश्चर्यजनक औषधि है। साथ ही यह 220 से अधिक रोगों में उपयुक्त है। इस वनस्पति में विटामिन (बी. सी. डी. ई. तथा बिटा कॉरोडीन) 18 प्रकार के अमीनों एसिड्स होते है।

पाचन क्रिया (Digestive System) : एलोवेरा के कारण विपनन पाचन (जठाराग्नि) ठीक होता है। यकृत उत्तेजित होता है। और साथ ही वात को भी काबू में लाता है। इससे पाचन सुधर जाता है। और पाचन से सम्बन्धित विविध विकारें पर जैसे भूख कम होना, पेट दर्द, पित्त प्रकोप, कब्ज, बवासीर, Colities और यकृत तथा प्लिहा की सूजन आदि विकारें पर यह बहुत उपयुक्त है।

विषैले पदार्थ (Toxin) उत्सर्जित करना : हमारे शरीर में अनेकानेक कारणों से विषैले पदार्थो का संचय होता है, जिसकी वजह से कैंसर जैसी बिमारियाँ उत्पन्न होती है। एलोवेरा में स्थित अवशिष्ठ (Saponins) की वजह से ये विषैले पदार्थ शरीर से बाहर फैंक दिये जाते हैं। रक्त शुद्ध होता है। जिसकी वजह से रंग सुधर जाता है और रक्त संचार क्रिया (Circulation System) बढ़ जाता है। शरीर में नयी पेशियों का निर्माण होने से रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ जाती है।

हृदय विकार (Heart Ailment) : खून में ट्यग्लिसेराईडस तथा बुरे कॅलेस्ट्राल (LDL) की मात्रा कम करके अच्छे कॅलेस्ट्राल (HDL) की मात्रा बढ़ती जाती है।

मूत्र प्रणाली (Urinary System) : Aloe Vera पेशियों में होने वाले अतिरिक्त पानी को बाहर निकालती है तथा पथरी और Dialysis पर होने वाले व्यक्तियों के लिए अत्यन्त गुणकारी है।

प्रजनन प्रणाली (Reproductive System) : Aloe Vera के प्रयोग से स्त्रियों के गर्भाशय व पुरूषों के शुक्र धातु के दोष दूर होते हैं।

त्वचा विकार (Skin Problem) : Aloe Vera का लेप त्वचा के लिए अति उत्तम है इससे घाव जल्दी भरते हैं, जैसे पेट में अल्सर एक घाव ही होता है। Aloe Vera में अंतर्भूत Glycine, Threonine Beta Carotene आदि घटकों के कारण यह ठीक करता है।

बालों का झड़ना (Hair Fall) : Aloe Vera के प्रयोग से छोटी आंतड़ियों में संचित विषैले घटकों को बाहर फैंक कर बालों को झड़ने से रोका जा सकता है। नई पेशियों के निमार्ण से बाल लम्बें होते हैं, डैण्ड्रूफ और रूक्षता नष्ट होती है।

जोड़ो व घुटनों का दर्द (Arthritis) : Aloe Vera में (Phenylalanine, Brone, Proline, Cystine, Valine जैसे घटक द्रव्यों के कारण धृत कुमारी घुटनों की सूजन और दर्द को कम करता है।

मधुमेह (Diabetes) : Aloe Vera के प्रयोग से इन्सुलिन का निर्माण नियंत्रित किया जाता है। इसकी वजह से लीवर या गुर्दे को किसी भी प्रकार से नुकसान नहीं होता।

Radio Therapy & Chemotherapy हमारे शरीर के स्वस्थ Cells को नष्ट करती है, विशेष रूप से Immune System Cell को। Aloe Vera के सेवन से इस दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है। क्योंकि यह हमारे रोग प्रतिरक्षण कार्यप्रणाली (Immune System) को सुदृढ़ करता है।

सावधानी : दस्त लगने तथा स्त्रियों में महावारी के दिनों में तथा गर्भ धारण के दिनों में एलोवेरा का उपयोग न करें।

विशेष निर्देश : सुबह खाली पेट व रात को 30 मि. ली. (बिना कुछ मिलाए) अथवा चिक्त्सिक के परामर्श अनुसार।

उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाएँ (User's Views)

Mrs. Manju Mehra

मैं पिछले 20 साल से पैरों के Eczema से परेशान थी। मुझे उस हिस्से में बहुत दर्द और जलन रहती थी। मैंने बिश्योर एलोवेरा पीने के लिए लिया और क्रीम लगाने के लिए लिया। मुझे बहुत आराम मिला। बस 40-45 दिन में ही Eczema का हिस्सा सूखने लगा जो पहले गीला रहता था। अब मुझे दर्द भी नहीं रहता। अब बस कुछ निशान ही रह गए है। पहले इस बीमारी की वजह से कहीं आना-जाना नहीं होता था। पर अब मैं खुश हूं कि मुझे सिर्फ बिश्योर ऐलोवेरा की वजह से इस बीमारी से छुटकारा मिल गया है।

I suffered with Eczema from last 20 years. The effected part gave me so much irritaiton and pain Effected part always look wetty and like watery fluid, I heard about Besure aloe vera, I tried it, It gave me relief very fast, Within 40 days I got relief and effected part got dry and now I am fine. A little bit scars are still left, I am happy B'coz of Besure Aloe Vera. Now I am free from this painful disease.

Mr. N. K. Agarwal

मैं Heart Patient हूं डाक्टर ने मुझे हृदय की सर्जरी कराने को कहा था। मेरा Blood Circulation ठीक तरह से काम नहीं कर रहा था। मैं बहुत जल्दी थक जाता था। मुझसे दो-तीन सीढ़ियां भी मुश्किल से चढ़ी जाती थी। मैनें Besure Aloe Vera के बारे में सुना और उसे प्रयोग किया। असर चमत्कारी था, मुझे अब थकान नहीं होती। मैं पहले की तरह सीढ़िया चढ़ने में परेशान नहीं होता। मेरा Blood Circulation भी अब ठीक से काम कर रहा है। Aloe Vera ने मेरी जिंदगी आसान बना दी है।

I am a Heart Patient, Doctor Suggested me a By-Pass surgery, My Blood Circulation got effected. I felt very tired to walk or step 2-3 stairs. I heard about Besure Aloe Vera and tried. My blood circulation gets proper now I am not feeling lethargic. I can step 2-3 stairs easily Aloe Vera Made my life easy.

Mrs. Radha Agarwal

मैं अपने बाल झड़ने की वजह से बहुत परेशान थी, कहीं आना जाना भी अच्छा नहीं लगता था, मैंने Besure Aloe Vera का प्रयोग किया इससे मेरे बाल पहले से ज्यादा घने और चमकदार हो गए हैं।

I had hair fall problem. My hair quality was getting down day by day I felt very odd to go out, I tried Besure Aloe Vera Gel, Now my hair quality has improved and hair fall problem got reduced Now my hair has become dense and more shining than ever before.

Mr. Gupta

मैं पिछले 8 साल से parkinson से परेशान था, मुझे चलने फिरने में, बोलने में, हाथ-पैर हिलाने से बहुत परेशानी होती थी। कोई दवा मुझे असर नहीं कर रही थी। मैंने Besure Aloe Vera का इस्तेमाल किया अब मैं चलने फिरने लगा हूँ अब हाथ पैर हिलाने में, बोलने में भी कोई तकलीफ नहीं होती। मैं Besure Aloe Vera का शुक्रगुजार हूँ।

I was suffering with Parkinson from last 8 years, I was unable to walk and it was very difficult to move my hands also, I tried Besure Aloe Vera, It works, Now I can walk easily, my hand movement is also in a proper way I am very thankful to Besure Aloe Vera.

आँवला रस

पंच तुलसी एवं छोटी इलायची युक्त आँवला रस सम्पूर्ण स्वस्थ का मूलमंत्र

हरे व ताजे आँवले से तैयार पंच तुलसी व छोटी इलायची के आयुर्वेद गुणों से परिपूर्ण बीश्योर आँवला रस का नियमित सेवन न केवल रोगी के लिए स्वास्थ्यवर्धक है। वरण स्वस्थ शरीर के लिए भी एक सशक्त सुरक्षा कवच है।

– गलत खान पान के कारण शरीर में इकट्ठे होते बिषाक्त तत्व, आधुनिक जीवन शैली, तनावग्रस्त जिंदगी, चारों तरफ प्रदूषण, शरीर में धीरे–धीरे कम होती रोगो से लड़ने की क्षमता, एक दूसरे से जुड़ी शारीरिक प्रक्रियाओं का बिगड़ता हुआ संतुलन, शरीर की इन बिषाक्त तत्वों को बाहर धकेलने की कमजोर पड़ती शक्ति, न चाहते हुए भी हालत कष्टसाधय रोगों की तरफ धकेल रहे है।

सामान्य हालत में स्थान मौसम, स्वभाव व खानपान में आई तब्दीली के कारण कुछ व्याधियॉ शरीर में पैदा हो जाती है। जिनको अन्दर का चिकित्सक ठीक कर लेता है। लेकिन संयम व समय का अभाव, चंचल चित्त व सामान्य ज्ञान की कमी के कारण हम इस प्राकृतिक प्रक्रिया को दर किनार करके, कृत्रिम दवाओं से इन लक्षणों को अन्दर ही अन्दर दबा देते है। और यह सिस्टम रिपीट होता रहता है। व विषाक्त तत्व इतने इकट्ठे हो जाते है। कि हमारे शरीर का अन्दर का चिकित्सक भर जाता है। और शुरू होती है स्वस्थ जिंदगी के विपरीत असाध्य कष्टों से भरी रोगग्रस्त जिन्दगी।

आँवला एक अदभुत आहार भी है। और औषधि भी हैं। जिसकी महिमा चिकित्सक, न्यूट्रिशनिष्ट व विश्व के महानतम योगाचार्य हजारों सालों से करते आ रहे है। आँवला हमें निम्न प्रकार से गुणकारी है।

पाचन प्रणाली : पाचन प्रणाली के सही कार्य के लिये मनुष्य शरीर के लिये जरूरी 6 में से 5 रस आँवला रस में पाये जाते हैं। व सप्तधाातु शोधाक, त्रिदोष नाशक होने के कारण यह पुरानी से पुरानी कब्ज, गैस, जलन, पेचिश, अफारा, जिगर में गर्मी व भूख कम ज्यादा लगना, पेशाब कम ज्यादा आना इत्यादि समस्त रोगों के शमन के लिये अत्यंत लाभप्रद व गुणकारी हैं।

मोटापा कम हो सकता है–इसकी शारीरिक प्रक्रियों को संतुलित रखने की क्षमता, हार्मोनल असन्तुलन, शरीर में पानी भरके शरीर का फुल्ला व थाइराइड आदि के कारण पैदा होने वाली समस्याओं को भी सुलझाने की क्षमता के कारण यह कुछ महीने में ही शरीर को सुन्दर सुडौल बना देता है, व वो भी किसी तरह के साइड इफैक्ट के बिना। आँवला न केवल हडिड्यों को मजबूत करता है। बल्कि इसका नियमित सेवन, 2–3 महिने में ही फेट मेटाबलिक प्रकिया में सुधाार कर व भोजन की अग्नि पैदा करने की क्षमता को बढाये हुए चर्बी जलाने में सहायक होता है।

मधुमेह–इसके सप्तधाातु निर्माण व सप्तधातु शोधान के महत्वपूर्ण गुणों के कारण एक ओर यह रोग को जन्म देने वाले विषैले तत्वों को बाहर निकालता हैं वहीं रोगो के प्रभाव से कमजोर होते जा रहे

धातुओं का लगातार नया निर्माण करता है। मृत कोशिकाओं को जिन्दा करता है। अणु सैलों को इकट्‌ठा रखने की इसकी शक्ति उनको मजबूती प्रदान करती है।

आँवले में मौजूद विटामिन सी, पैक्टिन, फायवर कैल्शियम व लोह तत्व मधुमेह रोगियों मे नई जान डाल देते है। आँवला एक ओर तो रोग को जन्म देने वाले विषैले तत्वों को बाहर निकालता है वही शरीर को स्वास्थ्य रखने के लिए नये धातुओं का निर्माण करता है। मधुमेह का सीधा दुष्प्रभाव यौन क्षमताओं पर पड़ता है। शीघ्रपतन व संभोग में इच्छा की कमी तो महसूस की ही जाती है। आँवला में सप्त धातुओं को पैदा करने की गजब शक्ति है। बिश्योर ऑवला रस का नियमित सेवन मधुमेह रोगी के लिए अमृत तुल्य है।

हृदय रोग, व रक्त चाप –यूरोपियन जर्नल आफ क्लीनिकल नियूट्रीशियन में श्री जैकव ने लिखा है, कि आँवला कौलेस्ट्रोल कम करता है। व वसा के कारण जम गई धमनियों को खोलता है। व एक और विद्वान ने अपने शोध पत्र में लिखा है, कि अथिरोमा से बचाव करता है। यहां धमनियों की दीवारें क्षतिग्रस्त होने लग जाती हैं। हृदय को ताकत देता है। उच्च रक्त चाप को नियमित करता है। वैसे भी आयुर्वेद में आमला व तुलसी के उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कोलेस्ट्रोल व तनाव अनिद्रा दूर करने के गुणों को अब योगाचार्य, वैद्य लोग व आधुनिक विज्ञानी भी स्वीकार करने लगे हैं।

तुलसी – वैसे तो तुलसी की 60 प्रजातियों जिनमें प्रमुख पॉच प्रजातियॉ श्रेष्ठ मानी गई है। जिनका आयुर्वेद और शास्त्रों में प्रमुख रूप से उल्लेख मिलता है।

1. श्याम तुलसी 2. बर्बरी तुलसी 3. बनतुलसी 4. रामतुलसी 5. तुलसी मुगल

ये पांचों प्रजातियों आयुर्वेद गुणों से परिपूर्ण है। तुलसी चरपरी, कड़वी, अग्निदीपक, हृदय को हितकारी, पित, मूत्रकृच्छ, कोढ़ रक्तविकार पसली पीड़ा तथा कफ वातनाशक है। पाश्चात्य मत से तुलसी उष्ण, पाचक एवं वालकों के प्रतिश्याय व कफ रोग में उपयोगी हैं। तुलसी स्निग्धा, कफ एवं ज्वरनाशक है। मुँह में बदबू, मुँह के छाले, पायरिया, पेट के रोग, मग्दग्नि अम्ल पित्त, खट्‌टी डकारें, अतिसार हैजा, जिगर की खराबी, बलगम बढ़ जाना पेशाब में रूकावट, थकान जैसे रोगों के उपचार में पंच तुलसी का विशेष महत्व है।

देश के हजारों प्राकृतिक संस्थानों, वैध आचार्यो, योग आचार्यो, संत महात्माओं व आधुनिक चिकित्सकों द्वारा प्रमाणित व वेदों ग्रन्थों में जिसकी महिमा पन्ने पन्ने पर लिखी हैं जो आयुर्वेद की हर महत्वपूर्ण औषधि का केन्द्र सूत्र हैं। उसी अमृत तल्य आँवले का रस लेकर आए है–बिश्योर इंक। पंच तुलसी व छोटी इलायची युक्त बीश्योर आँवला रस पीने की आदत डालें और स्वयं ही इसके अच्छे फायदे पर गौर करें।

पैकिंग – 1 लिटर तथा 500 मी0 लि0

निर्देश – 20 मि0 लि0 (100 मि0 लि0 पानी में) दिन में दो बार सेवन करें।

THE WONDER PLANT

ALOE VERA

Aloe Vera, Ghratkumari, GheeKanwar, the names are many but they all belong to one miracle plant Aloe barbadensis. It's a wonder plant with health benefits so myriad and astounding that hardly any part of human body remains that is not influenced by its healing touch. From being a natural fighter against all sorts of infection, an efficient anti-oxidant to helping in all digestion related problems, arthritis, stress, diabetes, cancer, AIDS tobeing an enhancer of beauty, Aloe has been proved by research to be a plant of amazing medicinal properties. The medicinal value of the plant recognized for centuries for its remarkable properties, lies in the gel like pulp obtained on peeling the leaves.

Its juice has cooling properties, is anabolic in action, a fighter of 'pitta' and guards against fever, skin diseases, burns, ulcers, boils eruptions etc. Aloe's active principle 'aloin' is responsible for its unique digestive properties. Though it would be too exhaustive to enumerate its health benefits, the areas in which Aloe plant extract helps is summarized, in short, as under Antiseptic, Anti-bactericidal - Aloe Vera produces six anti-septic agents with anti microbial properties and if its juice is taken on daily basis is protective against diseases.

Protector of human immune system—The leaf extract galvanizes the cells of immune system. The phagocytes increase their scavenging activities, thus cleansing the body and kicking off a whole cascade of protective actions which strengthen immunity. Improves digestive system Research work carried out over the years points conclusively that aloe juice helps in digestive disorders. Constipation, diarrhea, indigestion, irritable bowel syndrome etc are cured by the flushing action. The deposits of toxins and unwanted substances in our diet which keep accumulating in intestines prevent the absorption of essential nutrients causing nutritional deficiency, lethargy, constipation, lower backache. Aloe juice helps flush out these residues boosting the digestion and giving a greater feeling of well-being.

Aloe Vera in arthritis—Being a stimulant to the immune system, a powerful anti-inflammatory, an analgesic and able to speed up cell growth, it repairs arthritis damaged tissue. While conventional allopathic treatment only relieves pain, Aloe Vera juice taken internally and applied externally helps in repair process by regenerating cells and detoxifying the affected area.

Aloe Vera fights stress—The stress filled life of today cause bio-chemical and physiological changes in the body, making us susceptible to diseases and dysfunction. Aloe Vera juice is just the thing to get our machinery smoothly and effectively going.

Aloe Vera and cancer—aloe juice enables the body to heal itself from cancer and the damage done by radio and chemotherapy which destroy healthy immune cells crucial to the recovery.

Aloe Vera and diabetes—It lowers glucose and tri-glyceride levels in diabetic patients. Effects can be seen from the second week of the treatment.

Aloe Vera and hepatitis—Extract of aloe juice has been shown to have beneficial effects on liver and alleviate symptoms considerably in chronic hepatitis patients.

Aloe Vera in heart disease—Addition of isabgol and Aloe Vera juice to the diet of patients of angina pectoris, results in marked reduction of serum cholesterol and tri-glycerides and increase in level of HDL. Aloe Vera and AIDS- A daily dose of min. 1200mg. of active ingredients of aloe vera showed substantial improvement in AIDS symptoms. Says Dr. Pulse,"Aloe is to an AIDS patient as insulin is to a diabetic."

Aloe Vera as wound and skin disease healer—The gel is excellent for easing first degree burns, relieves inflammation and accelerates healing.

The Aloe Vera gel has anti-fungal, anti-bacterial and anti-viral effects and helps heal minor wounds. It lessens painful effects of shingles, reduces symptoms o f psoriasis and eases heartburns and ulcers.

Aloe Vera for kids—Aloe Vera can be an important ingredient of medicine chest. Children can take Aloe Vera juice as it helps heal on the outside and inside. It soothes stomach upset. It takes the pain out of burns and bites and the growth factors in its yellow sap stimulate new cell growth almost miraculously. Aloe helps by decreasing allergies and colds, lessens laboured breathing, gives calmer energy, better digestion and healthier skin. Infect, kids and Aloe Vera go together wonderfully.

Aloe Vera and Beauty care—Once, a beauty arsenal of Cleopatra, today Aloe Vera is showing up as a main ingredient in cosmetic industry. It is one herb which can be used almost as freely as water on skin. Mixed with selected essential oils, it makes for excellent skin smoother and moisturizer, sunblock lotion plus a whole range of beauty products. No wonder then that Aloe Vera is referred to as the 'Miracle Plant'. From being an antiseptic, anti-inflammatory and a cure for heart burns to helping relieve the symptoms of severe illnesses like cancer and diabetes, to being a beauty aid and health nourisher, this ancient Indian herb has it all. Known for centuries for its unique medicinal properties, it has been rediscovered, recognized and benefitted from in the last few years. The active ingredients hidden in its succulent leaves have the power to soothe human life and health in a myriad ways. Aloe Vera is undoubtedly, the nature's gift to humanity and it remains for us to introduce it to ourselves and thank the nature for its never ending bounty.